International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' एवं 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापको के अभिमतों का अध्ययन

दीपिका यादव,

सहायक प्रोफेसर (शिक्षा शास्त्र),

बुनियादी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, आई. पी. जे. कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन इस्माईला, रोहतक

सारांश

वर्तमान प्रतियोगी युग में जहाँ चारों और परीक्षाओं का जमाना है यहीं देश के प्रमुख दो क्षेत्र इंजिनियर्स एवं चिकित्सा में प्रवेश हेतु वर्ष दो प्रमुख परीक्षा NEET और JEE – IIT का आयोजन केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा करवाया जाता है। इन परीक्षाओं को लेकर जहाँ अभिभावक एवं विद्यार्थी चिंतिति रहते है। वहीँ अध्यापको के चिंतन एवं संशय का दौर बना रहा है। प्रस्तुत शोध का प्रमुख उद्देश्य इन परीक्षाओं के प्रति अध्यापकों के अभिमतों का अध्ययन करना रहा है। परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु शोधकर्मी ने १०० शिक्षकों को साक्षात्कार में शामिल कर उनके अभिमतों का विश्लेषण किया है। शोध के प्रमुख सम्प्रप्तियों में पाया किअध्यापकों ने नकारात्मक अंकन हटाने, ऑनलाईन परीक्षा करवाने, कोचिंग बंद करने, अवसर बढ़ाने, आरक्षण हटाने, एक सामान परीक्षा एवं पाठ्यक्रम करने, नक़ल बंद करवाने आदि सुझाव दिए है वहीं अधिकांश अध्यापक साक्षात्कार के प्रश्नों के उतर देने में अस्वीकृति देते है। यह भी एक विचारणीय विषय है।

मुख्य शब्दावली:- केन्द्रीय माध्मिक शिक्षा बोर्ड, अध्यापकों का अभिमत, राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा

प्रस्तावना:-

परीक्षा की परम्परा रामायण – महाभारत काल से ही रही है। वैदिक काल, बौद्धकाल, मुगलकालीन शिक्षा सभी में परीक्षा ली जाती थी। परीक्षा नहीं, यद्यपि इन कालों में तो प्रवेश हेतु भी परीक्षा ली जाती थी। आज भी यही है की बड़े – बड़े निजी विद्यालयों जहाँ पर चाहे प्राथमिक कक्षा में ही विद्यार्थी का प्रवेश हो तथा केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों में भी प्रवेश परीक्षा की व्यवस्था है। इसी तरह उच्च

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अध्ययन संस्थाओं में प्रवेश हेतु भी प्रवेश पूर्व परीक्षा ली जाती है। उसमें से दो परीक्षाएं वैदिक काल में इंजीनिरिंग क्षेत्र तथा मेडिकल क्षेत्र की शिक्षा, जो किउच्च शिक्षा में ही आती थी के इसके लिए अलग से शिक्षण संसथान नहीं होते थे। एक ही शिक्षण संसथान चाहे वे गुरुकुल हो या विश्वविद्यालय इन विषयों का गहन शिक्षण वहीँ करवाया जाता था तथा जब अध्यापक को लगता था की अमुक विद्यार्थी की शिक्षा पूरी हो गई तो वह उसकी क्रियात्मक या व्यावहारिक परीक्षा लेते थे। आज इन विषयों के अध्ययन का क्षेत्र बढ़ गया है। इन क्षेत्रों में अध्ययन हेतु प्रवेश के लिए भी परीक्षा ली जाती है तथा इन परीक्षाओं में बैठने के लिए विद्यार्थिओं का १२वी कक्षा में ६० प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। पहले इन परीक्षाओं का आयोजन अलग – अलग संस्थानों द्वारा जैसे अखिल भारतीय स्तर पर, विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा निजी विश्व विद्यालयों द्वारा अलग – २ किया जाता था किन्तु वर्तमान में इंजीनियरिंग के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए दो चरण होते है। प्रथम चरण में मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों में बस्तुनिष्ठ प्रश्न पात्र के साथ साथ ऋणात्मकअंकन प्रक्रिया भी होती है। इस परीक्षा के प्राप्तांकों का ६० प्रतिशत एवं कक्षा – १२ के प्राप्तांकों के ४० प्रतिशत अंक शामिल कर मेरिट तैयार की जाती है तथा द्वितीय चरण उच्चतम परीक्षा (Advanced Exam) के आधार पर ही मेरीट तैयार की जाती है तथा मेडिकल शिक्षा के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश के लिए कक्षा १२ मे ५० प्रतिशत अंक लेन अनिवार्य होते है। इसका स्वरुप वस्तुनिस्ठ प्रश्नों के साथ ऋणात्मक अंकन किया जाता है। इन परीक्षाओं के बदलते स्वरुप का महत्त्व एवं उपादेयता जानना ही प्रस्तुत शोध का उद्देश्य है।

वर्तमान परीक्षा प्रणाली :-

आधुनिक काल में मूल्यांकन शिक्षा की महत्वपूर्ण देंन है। बिना मुल्यांकन के मानव का सम्पूर्ण जीवन ही व्यर्थ प्रतीत होता है। किसी भी वास्तु, व्यक्ति या स्थान की श्रेष्ठता या निकृष्टता के लिए उसका मूल्याकन किया जाता है। मुल्यांकन का आधार उसके गुण दोष होते है। मुल्यांकन एक विस्तृत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जहाँ की किसी भाव के सम्बन्ध में निर्णय या मूल्य प्रदान किया जाता है।गणितीय रूप में मूल्याकं को इस प्रकार से व्यक्त किया जाता है। जिसमे मुल्यांकन को श्रेणी, प्रतिशत और प्राप्तांकों के साथ – २ आरक्षित वर्ग में श्रेणी को दर्शाया जाता है। कुछ लोगों का मानना है की विद्यालय एवं कॉलेज के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करना अनुचित है क्युओंकी यह मात्र विध्यारथियों एवं अभिभावकों में तनाव की सिथ्ती उत्पन्न करता है। लेकिन इसके विपरीत अगर परीक्षा नहीं होगी विद्यार्थी लापरवाह हो जायेगा तथा अपनी शिक्षा के प्रति लापरवाह हो जायेगा और न ही

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

वो अपने विद्यालय या कॉलेज जायेगा और न ही अपनी पढ़ी के प्रति अभिप्रेरित हो पायेगा। परीक्षा एक माध्यम है जिसके माध्यम से हम अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त करने की योग्यता प्राप्त करते है। इसके अतिरिक्त समय बद्धता तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विशेष गुण परीक्षा के द्वारा ही उत्पन्न होता है।

शैक्षिक क्षेत्र में भी मूल्याकंन का अपना महत्व है। वर्तमान में शिक्षा का उद्देश्य न केवल ज्ञान प्रदान करना है वरन उसका सर्वांगींन विकास करना भी है। मुल्यांकन का अर्थ है किसी वास्तु या प्रक्रिया का मूल्य निर्धारित करना तथा शैक्षिक मुल्यांकन से आशय किसी शिक्षण प्रक्रिया या अधिगम अनुभवों की जुपदेयता के सम्बन्ध में मूल्य प्रदान करना होता है। मूल्याकन को अग्रलिखित आधार पर विभाजित किया जा सकता है –

1. व्यक्ति की उपलब्धि का मात्रात्मक वर्णन।
2. व्यक्ति की योग्यता का गुणात्मक वर्णन।
3. व्यक्ति की उपलब्धि एवं योग्यता में मूल्य निर्णय।

वर्तमान समय में मेडिकल व तकनिकी क्षेत्र से जुडी प्रवेश परीक्षाओं के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़ता जा रहा है। अत; शोधकृति ने मिदिकल और इंजीरियरिंग में प्रवेश परीक्षाओं के लिए मूल आधार प्रवेश पूर्व परीक्षाओं में आने वाली कठिनाइयों, विशेषताओं एवं विधार्थियों, शिक्षक और अभिभावकों के अभिमत को समझाने तथा पुराने पाठ्यक्रम एवं नवीन पाठ्यक्रम के प्रति अभिमत का अध्ययन करने का प्रयास किया है, क्योंकि ये प्रवेश परीक्षाएं ही विद्यार्थियों का भविष्य प्रकाश मय करती है अथवा भविष्य अंधकार में भी जा सकता है। विधार्थियों के इस अहम फैसले में अध्यापकों, अभिभावकों और विधार्थियों के स्वयं का अभिमत होता है तो केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा तथा राष्ट्रीय अभियोहता प्रवेश परीक्षा के सन्दर्भ में सभी की अभिवृति को जानना आवश्यक हो जाया है। अत: शोधकृति ने इस विषय को शोध का मूल आधार बनाया है।

JEE- IIT परीक्षा भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए ली जाती है। इसमें गणित, भौतिक, एवं रसायन विज्ञान विषयों के प्रश्न पत्र होते है। यह परीक्षा बहोत कठिन मानी जाती है। इसकी तयारी के लिए जगह जगह प्रशिक्षण संसथान भी खुले है। अप्रैल से भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों की प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाने लगी। प्रथम चरण में भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों की प्रवेश परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाने लगी। प्रथम चरण में भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रवेश मुख्य परीक्षा (IIT Main) तथा दूसरा चरण भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों हेतु उचतम परीक्षा IIT (Advanced Exam) भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थी पहले मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करते है। आई आई टी जे ई ई सर्वप्रथम 960 में आयोजित की गई जब इसमें चार विषयों के प्रश्न पात्र होते थे। जिसमे की अंग्रीजी भाषा का भी प्रश्न पत्र होता था। Last Year's student's details in JEE Advanced: लगभग पंद्रह लाख विद्यार्थी 1,50,0000 (15 lac) प्रति वर्ष (Joint Entrance Examination) Main's के लिए पंजीकृत होते है। जिसमें से केवल 50000 विद्यार्थियों JEE Advance के लिए चयनित होते है। केवल एक सहित के लिए दस विद्यार्थियों के परीक्षा आयोजित करवाई जाती है, आमतौर से इन्जेनिग्रिंग का मतलब Computer, Informatics, electrical, electronics, mechanical सरीखी गिनी चुनी शाखाओं से ही लगाया जाता है, जो वास्तव में शि सोच नहीं है । देश के विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में आज 50 फीसदी से ज्यादा इंजीनियरिंग शाखाएं उपलब्ध है।

समाज में चिकित्सकों या डॉक्टर के पेशे अत्यंत को सम्मान दिया जाता है। मेडिकल क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे क्रन्तिकारी आविष्कारों, अन्य तकनिकी खोज और अनुसन्धान कार्यकलापों की बदौलत आश्चर्यजनक रूप से बदलाव हो रहे है। सामान्य फिजिशियन होना ही इस क्षेत्र में सफलता की गारंटी नहीं कहा जा सकता। मेडिकल की विभिन्न विधाओं में विशेषज्ञता हासिल किये बिना बहोत आते बढ़ना असंभव सा ही है। यहीं कारण है की सिरफ MBBS (बैचलर ऑफ़ मेडिसन बैचलर ऑफ़ सर्जरी) पाठ्यक्रम के बाद एम. एस. या एम. डी. आदि करना जरूरी हो गया है। SUPER SPESHILITY TRAINING इसके बाद की अवस्था है। विदेशो में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी ऐसा ही अन्य विकल्प है। जिसका लाभ कैरियर ग्राफ को नई बुलंदियों तक पहुँचाने में उठाया जा सकता है।

मेडिकल पाठ्यक्रमो में एम बी बी एस और बी डी एस का एलोपैथी के क्षेत्र में जिक्र किया जा सकता है। प्रस्तुत शोध में एम बी बी एस तथा बी डी एस पाठ्यक्रम और इससे बनने विभिन्न कैरिअर विक्लपों की समीक्षा की गई है। इस प्रकार के कोर्स की अवधि साढ़े पांच वर्ष है। इसमें से लगभग साढ़े चार वर्ष तो कॉलेज में पढाई के लिए होते है। जबकि शेष एक वर्ष का समय उन्हेकिसी सरकारी क्षेत्र के हॉस्पिटल में बतौर इन्टरन देना होता है। इस दौरान प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के आलावा कामकाज के वास्तविक माहौल को समझाने में भी काफी मदद मिलती है। कोर्स के दौरान एनाटामी, फिजियोलोजी, सर्जरी, फार्मेसी, इ एन

टी, पीड्रीएटीक्स, सोशल मेडिसिन, मैक्रोबयोलोजी इत्यादि पर आधारित विषयों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है।

मेडिकल कोलेजों में अखिल भारतीय प्रवेश के आधार पर अथवा राज्य स्तरीय चयन परीक्षाओं के आधार पर दाखिले दिए जाते है। इनमे शामिल होने के लिए आवेदक जिव विज्ञानं तथा अन्य विज्ञानं विषयों सहित पास होना चाहिये। चयन परीक्षा में जिव विज्ञानं, भौतिकी और रसायन विज्ञानं विषयों पर आधारित १०२ स्तर के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पूछे जाते थे। कुछ परीक्षाओं में ऋणात्मक अंकन का भी प्रावधान था। पुरातन परीक्षाओं में पी एम् टी परीक्षा विशेष थी। एसा माना जाता था कि पी एम टी एग्जाम की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर बहोत उपयोगी है। अछे कोचिंग सेंटरों और इनके अनुभवी अध्यापकों की परीक्षा की तयारी करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस तथ्य से कटी इंकार नहीं किया जा सकता है। सीमित सीटों और दिन प्रतिदिन बढती प्रतियोगिता के कारण मात्र एक एक नंबर से सफलता या असफलता हाथ लग जाती है। ऐसे में कोचिंग सेंटरों में मिलने वाली टिप्स की उपयोगिता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी १२वीं कक्षा के बाद विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र के रूप में या तो तकनीकी या तो चिकित्सा के क्षेत्र में जाना पसंद करते है। प्रारम्भ में इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रवेश उनके १२वीं कक्षा के अंको के आधार पर मेरिट बनाकर दिया जाता था। उस समय राजस्थान से बहूत कम विद्यार्थी इस क्षेत्र में जाते थे। शिक्षा के विकास के साथ साथ विद्यार्थियों का इस क्षेत्र के प्रति रुझान बढा। विद्यार्थियों की बढती संख्या तथा संस्थानों की कमी के कारण इसमें प्रवेश हेतु प्रवेश पूर्व परीक्षाओं का आयोजन किया जाने लगा। मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को आई. आई. टी., सी.पी., एम. टी., आर. पी. ई. टी. या इसी तरह की एनी प्रतियोगी परीक्षाएं देनी पड़ती है। इन प्रवेश परीक्षाओं को देने की न्यूनतम निर्धारित योग्यता कक्षा १२ वीं में ६० प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य था।

किन्तु वर्तमान में यह प्रणाली परिवर्तित कर दी गई है। अब इंजीनियरिंग के लिए एक ही 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' तथा मेडिकल क्षेत्र के लिए 'राष्ट्रिय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' का आयोजन किया जाता है। इस आधार पर हल ही में एक परीक्षा जून माह में आयोजित हो चुकी है। इन परीक्षाओं में प्राप्त योग्यता सूचि में कक्षा १२ के अंको को भी शामिल किया जायेगा तथा इस आधार पर पर्सेंटाइल निकल क्र विद्यार्थियों का योग्यता सूचि में क्रम निर्धारित किया जाता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए कक्षा १२ वीं में ६० प्रतिशत अंक लाना भी अनिवार्य है। इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रवेश परीक्षा दो स्तरों – जे. ई. ई. मेंन

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तथा जे. ई. ई. एडवांस – पास करने की तथा मेडिकल क्षेत्र में एम. बी. बी. एस. तथा बी. डी. एस. के लिए एक ही नीट (NEET) परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रस्तुतु शोध का औचित्य यह है कि इन परीक्षाओं के सन्दर्भ में भारत में पहले बहूत कम प्रयास ही हुए है और जो प्रयास है वोआधुनिक परीक्षा पद्धतियों के सन्दर्भ में नहीं किएगए है। अत: इन परीक्षाओं के मर्म को समझना बहूत आवश्यक हो जाता है। शोधकत्री ने इन प्रवेश परीक्षाओं (जो देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा माना जाता है) के बारे में समाज के सभी पक्षों के अभिमतों को जानने के लिए इस समस्या का चयन किया है।

इसलिए शोधकत्री ने उच्च शिक्षा में प्रवेश परीक्षाओं का औचित्य को जानने के लिए इस समस्या को अपने शोध का आधार बनाया, क्योंकि इस ज्वलंत समस्या पर अभी तक संपन्न हुए शोध कार्यों की संख्या सीमित है। इनसे सम्बंधित शोधों को समीक्षा एवं पुनरावलोकन को अग्र अध्याय में शामिल किया गया है। विभिन्न शोधों के समीक्षा एवं विवेचन के उपरांत शोधकत्री ने देखा कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' तथा 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों के अभिमत का अध्ययन करने के प्रयास नहीं किये गए है। अत: शोधकत्री द्वारा उच्च शिक्षा में प्रवेश परीक्षाओं से सम्बंधित शोध करने का निश्चय किया गया है।

समस्या का अभिकथन:-

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' एवं 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों के अभिमतों का अध्ययन

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों के अभिमतों का अध्ययन करना।
2. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों के अभिमतों का अध्ययन करना।

परिकल्पना संख्या:- १ केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'राष्ट्रिय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापको का अभिमत सामान्य स्तर का है।

परिकल्पना संख्या :- २ केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों का अभिमत सामान्य स्तर का है।

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

समस्या का प्रिसिमाँकंन :-

प्रस्तुत शोध राजस्थान राज्य तक सिमित है। इसमें जयपुर, सीकर तथा कोटा के कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए निर्धारित राष्ट्रीय अभियोगिता प्रवेश परीक्षा को शामिल किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्याद्र्ष के रूप में १०० विधार्थियों के मतों को अध्ययन में शामिल किया गया है:-

शोध विधि:- प्रस्तुत शोध विधि में शोधकत्री शोध के दतों का प्राप्त करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग कर अध्यापको से इन्प्रिक्षओंके सन्दर्भ में अभिमत हेतुय साक्षात् कर लिया है।

न्यादर्श:- न्यादर्श में कोटा, जयपुर एवं सीकर में अध्यापन करवाने वाले एवं सामान्य विधालयों के अधप्को, शामिल किया गया है। न्यादर्श के रूप में १०० अध्यापकों के मतों को अध्ययन में शामिल किया गया है।

न्यादर्श चयन विधि:-

न्यादर्श चयन हेतु अनुसन्धान की साधारण यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि का प्रयोग अपने अध्ययन में शोध कत्री द्वारा किया है :-

शोध में प्रयुक्त उपकरण :-

SR. NO.	परीक्षण का नाम	निर्माता
1	'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के प्रति अध्यापकों का संरचित साक्षात्कार	स्वनिर्मित
2	'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के प्रति अध्यापकों का संरचित साक्षात्कार	स्वनिर्मित

'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' एवं 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' पर अध्यापकों का संरचित साक्षात्कार प्रक्रिया :-

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रस्तुत साक्षात्कार हेतु विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों के परामर्श के आधार पर विषय वस्तु के अनुसार प्रश्न तैयार किये गए और पांच विशेषज्ञों से वैधता जाँच करने के लिए प्रस्तुत किये गए। विशेषज्ञों के निर्देसनुसार प्रश्नों की भाषा शैली में अवश्य परिवर्तन किये गए है।

निर्देश:- साक्षात्कार से पूर्व अध्यापकों को आवश्यक निर्देश दिए गए कि प्रत्येक प्रश्न का सापेक्षिक उत्तर अवश्य प्रदान करें। आपके विचार केवल शैक्षिक महत्त्व की दृष्टि से लिए जा रहे है एवं यह गोपनीय रखे जायेंगे।

अंकन की प्रक्रिया :- प्राप्त प्रत्युतरो के विकल्पों की अवृतियों को अंक प्रदान किये जायेंगे।

परिकल्पना संख्या:- ५ केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा के सन्दर्भ में अध्यापकों का अभिमत सामान्य स्तर का है। उपरोक्त परिकल्पना का परीक्षण अध्यापकों के साक्षात्कार में प्राप्त प्रत्युतरों के आधार पर किया गया।

प्रश्न १ 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' का पाठ्यक्रम अन्य प्रवेश परीक्षाओं की तुलना में अधिक विषय भार युक्त होना क्या विद्यार्थियों के लिए सही है? मत दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 1 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	सही नहीं है	35	35
2	बच्चों पर अधिक दबाव हो जाता है	7	7
3	अन्य परीक्षाओं से अधिक नहीं है	11	11
4	आयु के अनुसार बहूत अधिक है	10	10
5	अन्य प्रवेश परीक्षाओं का पता नहीं है	6	6
6	भावी जीवन सुरक्षित करने हेतु सही है	3	3
7	कोई प्रत्युतर नहीं दिया	28	28

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न २ 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' के पाठ्यक्रम में नकारात्मक प्रतिस्पर्धाओं को दूर करने के उपाय बताइए। उक्त के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 2

शिक्षको द्वारा प्राप्त प्रत्युतरो की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	विद्यार्थियों को असफलता प्रभावित करती है	22	22.00
2	श्रेष्ठ संस्थानों की संख्या बढाई जा सकती है। जैसे AIMS PGRI'S AND MEDICAL UNIVERSITIES ETC.	21	21.00
3	प्राइवेट संस्थानों की गुणवता भी सुधारी जाये	8	8.00
4	नकारात्मक प्रतिस्पर्धा नहीं है	3	3.00
5	कोई प्रत्युतर नही दिया है	46	46.00

प्रश्न ३ राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम को पुन: संशोधित करने की आवश्कता है ताकि कोचिंग के प्रभाव कम हो सके। सुझाव दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों से परात्प द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है :-

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका स. 3 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरो की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ आवश्यकता है	27	27.00
2	कोचिंग एक व्यवसाय बन गया है इस तरफ सर्कार को ध्यान देना चाहिए	19	19.00
3	विद्यार्थियों के लिए विद्यालयों की गुणवता सुधारी जाये	8	8.00
4	पाठ्यक्रम व्यावहारिक एवं प्रायोगिक बनाया जाये	5	5.00
5	पैसे वाले अभिभावक ही अपने बच्चों को पढ़ा सकते है	9	9.00
6	अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पाठ्यक्रम बनाया जाये	3	3.00
7	प्रवेश परीक्षा की बजाय प्रशिक्षण बेहतरीन हो	17	17.00
8	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	12	12.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न ४ राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा के मूल्यांकन में प्रतिभा वंचन होता है जिसका कारण आरक्षण है। इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 4 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	प्रतिभा कहीं नहीं छिप सकती है	36	36.00
2	डॉक्टरों के हाथों में देश का स्वास्थ्य होता है तो आरक्षण की बात ही नहीं होनी चाहिए	9	9.00
3	आरक्षण से प्रतिभा का वंचन हो जाता है	11	11.00
4	आरक्षण अधिक अधर पर होना चाहिए	4	4.00
5	आरक्षण बंद होना चाहिए	8	8.00
6	आरक्षण से पिछड़े वर्गों की प्रतिभाओं को अवसर मिलता है	6	6.00
7	प्रवेश परीक्षा में आरक्षण नहीं होने चाहिए बल्कि सुविधाओं में होने चाहिए	3	3.00
8	आरक्षण से सामान्य विद्यार्थियों का मनोबल टूट जाता है	4	4.00
9	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	19	19.00

प्रश्न ५ राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा का मुल्यांकन तार्किक एवं सर्वोतम है अपनी राय दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विशलेष निम्न तालिका में दिया गया है।

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका स. 5 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ, सही है	22	22.00
2	अभी सुधर अपेक्षित है	11	11.00
3	मूल्याकंन बहूत जटिल है	7	7.00
4	यह मुल्यांकन सामाजिक भेदभाव फैलता है	14	14.00
5	यह मुल्यांकन सैन्धन्तिक है, व्यवहारिक नहीं है	9	9.00
6	विदेशों से शिक्षा ग्रहण करने वालों को भी यह परीक्षा देनी हो	10	10.00
7	यह परीक्षा बहूत महँगी है	12	12.00
8	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	3	3.00

प्रश्न ६ राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम अनावश्यक रूप में परिवर्तित किया जाता है या नविन पाठ्यक्रम सार्थक नहीं है। तर्क दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है :-

तालिका स. 6 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	परिवर्तन अनिवार्य है	28	28.00
2	आवश्यक बदलाव ही होने चाहिए	19	19.00
3	नवीन पाठ्यक्रम सार्थक है	11	11.00
4	बदलाव से विद्यार्थी में भ्रम फैलता है	8	8.00
5	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया है	34	34.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न ७ आपकी राय में राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम केवल कोचिंग कक्षाओं में ही पूर्ण करवाया जा सकता है और स्व-अध्ययन में बाधा उत्पन्न करता है। इसके पक्ष एवं

तालिका स. ७ शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरो की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	इन परीक्षाओं में स्व अध्ययन से सफलता प्राप्त नहीं होती है	52	52.00
2	आजकल प्रायोगिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कम होना कारण है	11	11.00
3	कोचिंग कक्षाओं में परीक्षा का वातावरण निर्माण हो जाया है	16	16.00
4	आजकल विद्यार्थियों में स्व अध्ययन की आदत नहीं है	4	4.00
5	कोचिंग कक्षाओं में विधार्थियों का जाना फैशन हो गया है	10	10.00
6	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	7	7.00

प्रश्न ८ आपकी राय में 'राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा' हेतु केवल प्रतिभावना विद्यार्थियों को ही प्रयास करना चाहिए। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

तालिका स. ८ शिक्षकों द्वारा की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ, सही है	44	44.00
2	सामान्य विद्यार्थी भी सक्षम है यदि सुविधा प्राप्त हो	17	17.00
3	आजकल माता पिता की अपेक्षाएं अधिक है	24	24.00
4	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	15	15.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न 9 आपके मतानुसार राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा के संपादन हेतु विशेष योग्यता वाले अध्यापकों की आवश्कता होती है। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरो में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 9 शिक्षको द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ	56	56.00
2	सामान्य अध्यापक भी मेहनत से करवा सकता है	11	11.00
3	सरकारी विद्यालयों में विशेष योग्यता वाले अध्यापकों की कमी है	13	13.00
4	अनुभव ही विशेष योग्यता है	7	7.00
5	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	13	13.00

प्रश्न 10 आपकी राय में राष्ट्रीय अभियोग्यता प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं मूल्याकंन प्रक्रिया में क्या क्या संशोधनों की आवश्कता है। बताइए । उक्त प्रश्न के प्रत्युतरो में, प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 10 शिक्षको द्वारा प्राप्त प्रत्युतरो की आवृति अवन उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	नकारात्मक अंकन हटा देना चाहिए	16	16.00
2	12 वी कक्षा के अंक भी शामिल किये जाये	6	6.00
3	ऑन लाइन परीक्षा की व्यवस्था हो	9	9.00
4	कोचिंग कक्षाओं को बंद कर देना चाहिए	8	8.00
5	पाठ्यक्रम समान हो	7	7.00

6	सभी संस्थानों की एक ही परीक्षा हो	12	12.00
7	अवसर बढ़ा देने की आवश्कता होनी चाहिए	13	13.00
8	प्रवेश परीक्षा आरक्षण हटा देना चाहिए	4	4.00
9	मेरिट में समग्र अंको को जोड़ा जाये	7	7.00
10	नक़ल बंद हो	3	3.00
11	प्रायोगिक परीक्षा भी शामिल हो	6	6.00
12	कोई सुझाव नहीं दिया गया	9	9.00

परिकल्पना संख्या :- 6 केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के सन्दर्भ में अध्यापकों का अभिमत सामान्य स्तर का है। उपरोक्त परिकल्पना का परीक्षण अध्यापकों के साक्षात्कार में प्राप्त प्रत्युतरों के आधार पर किया गया।

प्रश्न 1 संयुक्त प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम अन्य प्रवेश परीक्षाओं की तुलना में अधिक विषय भर युक्त होना क्या विद्यार्थियों के लिए सही है ? मत दीजिये। उक्त प्रश्नों के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 11 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युत्रों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	सही नहीं है	48	48.00
2	बच्चों पर अधिक दबाव हो जाता है	7	7.00
3	अन्य परीक्षाओं से अधिक नहीं है	5	5.00
4	आयु के अनुसार बहूत अधिक है	9	9.00
5	अन्य प्रवेश परीक्षाओं का पता नहीं है	4	4.00
6	कोई प्रत्युतर नहीं दिया	27	27.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न 2 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के पाठ्यक्रम में नकारात्मक प्रतिस्पर्धाओं को दूर करने के उपाय बताइए। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 12 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	विद्यार्थियों को असफलता प्रभावित करती है	18	18.00
2	इन परीक्षाओं में असफलता से आत्महत्या जैसे कृत्य बढ़ते है, या असफलता का अनुभव भी हो सकता है	7	7.00
3	श्रेष्ठ संस्थानों की संख्या बढाई जा सकती है; जैसे	25	25.00
4	प्राइवेट संस्थानों की गुणवत्ता भी सुधारी जाये	4	4.00
5	नौकरी के प्रावधान अधिक हो	2	2.00
6	कोई प्रत्युतर नही दिया	44	44.00

प्रश्न 3 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के पाठ्यक्रम को पुन: संशोधित करने की आवश्कता है ताकि कोचिंग के प्रभाव कम हो सके। सुझाव दीजिये । उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 13 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरो की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ आवश्कता है	33	33.00
2	कोचिंग एक व्यवसाय वन गया है इस तरफ सरकार ध्यान दे	6	6.00
3	विद्यार्थियों के लिए विद्यालयों की गुणवता सुधारी जाये	5	5.00
4	अंकन प्रक्रिया को संशोधित किया जाये	4	4.00
5	पैसे वाले ही पढ़ा सकते है। तो आसन बनाया जाये	4	47.00
6	समग्र परीक्षा वाव्स्था बनाई जाये	16	16.00
7	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	32	32.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न 4 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के मूल्याकंन में प्रतिभावचन होता है जिसका कारण आरक्षण है। इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 14 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	प्रतिभा कहीं नहीं छिप सकती है	41	41.00
2	आरक्षण से प्रतिभा का वंचन हो जाता है	13	13.00
3	आरक्षण अधिक आधार पर होना चाहिए	5	5.00
4	आरक्षण बंद हो जाना चाहिए	11	11.00
5	आरक्षण से पिछड़े वर्गों की प्रतिभाओं को अवसर मिलता है	47	4.00
6	प्रवेश परीक्षा में आरक्षण नहीं होना चाहिए बल्कि सुविधाओं में होने चाहिए	2	2.00
7	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	24	24.00

प्रश्न 5 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' का मूल्याकंन तार्किक एवं सर्वोतम है अपनी राय दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरोमें प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 15 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ सही है	51	51.00
2	अभी सुधर अपेक्षित है	13	13.00
3	मुल्यांकन बहूत जटिल है	5	5.00
4	यह मूल्याकंन सामाजिक भेदभाव फैलता है	11	11.00
5	यह परीक्षा बहूत महगी है	18	18.00
6	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	2	2.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न 6 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' का पाठ्यक्रम अनावश्यक रूप में परिवर्तित किया जाता है या नविन पाठ्यक्रम सार्थक नहीं है। तर्क दीजिये। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरो में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 16 शिक्षको द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	परिवर्तन अनिवार्य है	55	55.00
2	आवश्यक बदलाव होने चाहिए	15	15.00
3	नवीन पाठ्यक्रम सार्थक है	7	7.00
4	पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ ही परीक्षाओं में भी बदलाव हो	9	9.00
5	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	14	14.00

प्रश्न 7 आपकी राय में संयुक्त परीक्षा का पाठ्यक्रम कोचिंग कक्षाओं में ही पूर्ण करवाया जा सकता है और स्व अध्ययन में बाधा उत्पन्न करता है। इसके पक्ष एवं विपक्ष में मत प्रकट करें। उक्त प्रश्नों के प्रत्युत्रो में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है

तालिका स. 17 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	इन परीक्षाओं में स्व अध्ययन से सफलता प्राप्त नहीं होती है	63	63.00
2	कोचिंग कक्षाओं में परीक्षा का वातावरण निर्माण हो जाता है	18	18.00
3	आजकल विद्यार्थियों में स्व अध्ययन की आदत नहीं है	2	2.00
4	कोचिंग कक्षाओं में विद्यार्थियों का जाना फैशन हो गया है	9	9.0
5	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	8	8.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न ८ आपकी राय में संयुक्त प्रवेश परीक्षा हेतु केवल प्रतिभावान विद्यार्थियों को ही प्रयास करना चाहिए। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 18 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ, सही है	38	38.00
2	सामान्य विद्यार्थी भी सक्षम है, यदि सुविधा प्राप्त हो	10	10.00
3	स्व अध्ययन से सामान्य विद्यार्थी भी सफल हो सकता है	14	14.00
4	आजकल माता पिता की अपेक्षाएं अधिक है	21	21.00
5	नही, भाग्य पर भी निर्भर करती है	4	4.00
6	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	13	13.00

प्रश्न ९ आपकी मतानुसार 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' के संपादन हेतु विशेष योग्यता वाले अध्यापकों की आवश्यकता होती है। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 19 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	हाँ	71	71.00
2	सामान्य अध्यापक भी मेंहनत से करवा सकता है	9	9.00
3	सरकारी विद्यालयों में विधेश योग्यता वाले अध्यापकों की कमी है	8	8.00
4	विशेष योग्यता का प्रशिक्षण होना चाहिए	1	1.00
5	अनुभव ही विशेष योग्यता है	3	3.00
6	कोई प्रत्युतर नहीं दिया गया	8	8.00

International Journal of Management, IT & Engineering
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-0558 Impact Factor: 7.119
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रश्न १० आपकी राय में 'संयुक्त प्रवेश परीक्षा' का पाठ्यक्रम एवं मुल्यांकन प्रक्रिया में क्या क्या संशोधनों की आवश्यकता है। बताइए। उक्त प्रश्न के प्रत्युतरों में प्राप्त द्तों का विश्लेषण निम्न तालिका में दिया गया है।

तालिका स. 20 शिक्षकों द्वारा प्राप्त प्रत्युतरों की आवृति एवं उनके प्रतिशत

क्र. स.	प्रत्युतर	आवृति	प्रतिशत
1	नकारात्मक अंकन गया देना चाहिए	14	14.00
2	१२वी कक्षा के अंक भी शामिल किये जाएँ	7	7.00
3	ऑन लाइन परीक्षा की व्यवस्था हो	8	8.00
4	कोचिंग कक्षाओं को बंद कर देना चाहिए	11	11.00
5	पाठ्यक्रम समान हो	9	9.00
6	सभी परीक्षा वार्ड में एक ही पाठ्यक्रम हो एक परीक्षा हो	10	10.00
7	सभी संस्थानों की एक ही परीक्षा हो	8	8.00
8	अवसर बढ़ा देने की आवश्यकता चाहिए	11	11.00
9	प्रवेश परीक्षा में आरक्षण हटा देना चाहिए	8	8.00
10	मेरिट में समग्र अंकों को जोड़ा जाये	5	5.00
11	नक़ल बंद हो	2	2.00
12	कोई सुझाव नहीं दिया गया	7	9.00

निष्कर्ष :-

1. अध्यापकों के मतों अनुसार इन परीक्षाओं में अभी भी सुधार की विशेष आवश्यकता है। इन परीक्षाओं के स्वरुप के कारण कोचिंग व्यवस्था अधिक बढ़ गया है और उनका मनना है कि इन परीक्षाओं के पाठ्यक्रम का भर अन्य प्रवेश परीक्षाओं की तुलना में विद्यार्थियों की प्रतिभा का पता चलता है साथ ही इन परीक्षाओं में आरक्षण व्यवस्था में सुधर को महत्त्व देते है वे चाहते है कि प्रवेश में आरक्षण की बजाय सुविधाएँ प्रदान कर वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की सहायता की जा सकती है। इन प्रवेश परीक्षाओं का मुल्यांकन तार्किक एवं सर्वोतम मान जाता है। इन परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में समय -२ पर होने बाले बदलावों को स्वीकार किया है, परन्तु यह भी बताया कि विद्यार्थियों में स्वाध्याय की आदत में कमी आई है। माता पिता की अपेक्षाओं का स्तर आज बहूत अधिक बढ़ गया है दिस वजह से अध्यापकों का शिक्षण स्तर विशेष होता है तो विद्यार्थी बिना कोचिंग की सहायता के इन परीक्षाओं में पास करना असंभव मानता है और सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों में शिक्षण स्तर सामान्य होता है। जो एक बहूत आवश्यक मांग भी है
2. शोध के निष्कर्ष में यह भी पाया कि अधिकांश अध्यापक साक्षात्कार के प्रश्नों के उत्तर देने में अस्वीकृति देते है। यह भी एक विचारणीय विषय है।
3. निष्कर्ष में यही कहा जा सकता है कि अध्यापकों ने नकारात्मक अंकन हटाने, ऑन लाइन परीक्षा करवाने, कोचिंग बंद करने, अवसर बढ़ाने, आरक्षण हटाने, एक समान परीक्षा एवं पाठ्यक्रम करने, नक़ल बंद करवाने आदि सुझाव दिए है

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि:-

Connealy, CassieJ., "Medical Students' Attitudes toward the Medical College Admission Test" (2010). Open Access Theses and Dissertations from the College of Education and Human Science. Paper 81

Deepali Gupta, Ardent traveler, (2016) – https://www.quora.com/ how many people are selected for an IIT – JEE advanced paper and of them how many get into IITcited.

Grissmer, David W. (2000) – The Continuing Use and Misuse of SAT Scores, Psychology, Public Policy and

Law 2000, Vol. 6, No. 1,223-232

http://www.academia.edu8300022/Reforms in Examination and Education System India Has examination system not education system.

James, V. Kahn (1995) "Research in Education" Prentice Hall of India Privaste Limited, New Delhi. PP –47 – 48 John, W. Best Julian, E.R. (2005). Validity of the medical college admission test for predicting medical school performance. Academic Medicine, 80,910-917.

Karthik, Muralidharan at et. (2005)- A Profile of the Indian Education System. International Journal of Environment & Science Education.2016, 11 (2), 35-52

Rajput, J.S(2004) Encyclopedia of Indian Education. New Delhi, NCERT. Vol-1. April 2004 pp-128

Vidyaprakash (2016) – Article on importance of Examination on www.http://vidyaprakash.expertscolumn.com /article/importance examination cited 30.01.2016